KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform

SSC GD FOUNDATION 2024 -25

Bilingual

GYAN SIR

* पित्त रस (Bile Juice)

⇒ PH :- 7.7

⇒ ये मुख्यतः वसा का पाचन करता है।

⇒ पित्त रस में कोई enzyme नहीं मिलता है।

⇒ पित्त रस में बिलिरुबिन, बिलिवर्डाइन, कोलेस्ट्रॉल तथा पानी होता है।

⇒ यह हरे पीले रंग का एक गाढ़ा एवं चिपचिपा द्रव है।

हरा रंग - Bilirubin

पीला रंग :- Biliberdine.

चिपचिपा :- Cholestrol के कारण

⇒ बिलिरुबिन एवं बिलिवर्डीइन को पित्त वर्णक कहते हैं

⇒ Bilirubin तथा Biliberdine का निर्माण RBC के नष्ट होने से होता है

⇒ अगर Bilirubin और Biliberdine की मात्रा (↑)

↓

⇒ पीलिया (Jaundice)

↓

⇒ Hapetitis हेपेटाइटिस

world hapetitis day :- 28 July

RBC → Red Blood Corpuscle

लाल रक्त कणिकाएँ

पित्ताशय (Gall Bladder)

⇒ यह पित्त रस को जमा करता है।

⇒ इसमें Stone Cholestrol के deposit होने से या Calcium oxalate के कारण होता है।

⇒ अगर किसी व्यक्ति के पित्ताशय को हटा दिया जाए तो वसा का पाचन प्रभावित होता है।

ग्रहणी (Doudenum)

⇒ यह छोटी आँत का सबसे पहला हिस्सा है।

⇒ हमारे भोजन में इसी भाग में अग्नाशयी रस तथा पित्त रस मिलता है।

⇒ इसमें एक ब्रूनर्स ग्रंथि पायी जाती है जो कुछ हॉर्मोन का स्राव करती है।

1) Secretin (सीक्रेटीन) :- ये अग्नाशय को अग्नाशयी रस के स्राव के लिए उत्तेजित करता है।

2.) Hapetocrynin (हेपेटोक्राइनिन) :- ये यकृत (Liver) को पित्त रस के निर्माण के लिए उत्तेजित करता है।

3.) Cholecystokynin (कोलेसिस्टोकाइनिन) :- ये पित्ताशय में संकुचन पैदा करता है।

⇒ इसके द्वारा Intenstine Juice (आंत्र रस) का स्राव भी होता है।

मध्यान्त्र (Jujenum)

⇒ ये Food को शेषान्त्र (Illeum) तक पहुंचाता है।

शेषान्त्र (Illeum)

⇒ इसमें कुछ उँगलीनुमा संरचना मिलती है जिसे रसांकुर (villi) कहते हैं।

⇒ Villi (रसांकुर) भोजन में पोषक तत्वों का अवशोषण कर इसे रक्त में मिला देता है।

→ ये पोषक तत्व रक्त के द्वारा शरीर के अलग-अलग अंगो तक पहुंचा दिए जाते हैं।

बड़ी आँत (Large Intestine)

⇒ बड़ी आँत में तीन हिस्से मिलते हैं :-

1.) cecum (अंधनाल)
2.) colon (वृहदांत्र)
3.) Rectum (मलाशय)

⇒ बड़ी आँत की लंबाई 4-5 feet होती है

⇒ बड़ी आँत की चौड़ाई 2.5-3 Inch होती है

⇒ cecum (उण्डुक), अनपचा भोजन / बेकार पदार्थ को colon (वृहदांत्र) तक पहुंचाता है

⇒ मनुष्य के cecum से ही appendix attach होता है

⇒ हमारे शरीर में appendix का कोई कार्य नहीं है

⇒ Colon में अनपचे भोजन से जल का अवशोषण होता है।

⇒ Colon में E. Collai जीवाणु होता है।

⇒ Rectum (मलाशय) → अनपचा भोजन / बेकार पदार्थ जमा होता है और यहीं से समय-समय पर गुदाद्वार (Anus) के द्वारा शरीर से बाहर निकलता है।

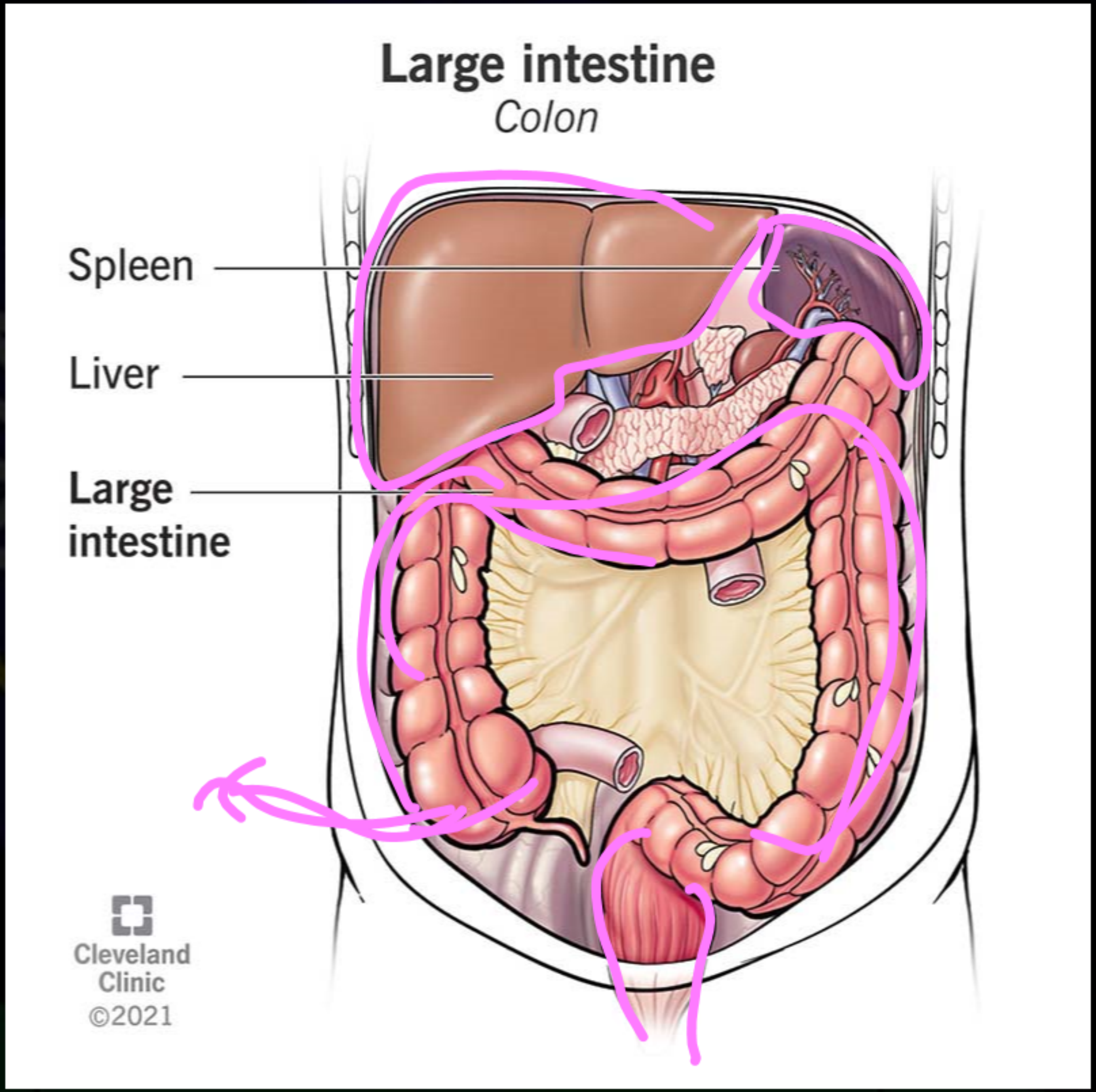
Large intestine
Colon
Spleen
Liver
Large intestine
Cleveland Clinic
©2021

पाचक एन्जाइम (Digestive enzyme)

1.) Carohydrate को पचाने वाला enzyme :-

⇒ Ptyline :- ये मंड (Starch) को maltose में तोड़ता
टायलीन है
or
लारीय एमाइलेज :- ये लार में पाया जाता है

⇒ Amylase :- ये ग्लाइकोजेन को पचाता है
अमाइलेज :- ये अग्नाशयी रस में पाया जाता है

⇒ Maltase :- ये Maltose को पचाता है।

⇒ Sucrase :- ये sucrose को पचाता है।

⇒ lactase :- ये lactose को पचाता है।

⇒ Lactase, Maltase, Sucrase नामक enzyme आंत्र रस में मिलता है।

Lipase (लाइपेज) :- ये वसा के पाचन में help करता है।
:- ये अग्नाशयी रस में मिलता है।

Protein को पचाने वाले enzyme:-

1) Pepsin (पेप्सीन) :- ये जठर रस में मिलता है।

2) Trypsin & chymotrypsin (ट्रिप्सिन और काइमोट्रिप्सीन) :- ये अग्नाशयी रस में मिलता है।

3.) Erepsin (एरीप्सीन) :- ये आंत्र रस में पाया जाता है।

KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform

THANKS FOR WATCHING